Printed Pages – 7

I-05

B.A. (Part-I) Examination, 2020

HINDI LITERATURE

Paper - II

(हिन्दी कथा साहित्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 25

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के सम्मुख उनके अंक दर्शाए गए हैं।

Q. 1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **3×10=30**

(क) 'वह जानता था अच्छी आमदनी तभी हो सकती है जब अच्छा ठाट-बाट हो। किसी फटेहाल भिखारी के लिए एक चुटकी बहुत समझी जाती है लेकिन गेरुए रेशमी वस्त्र धारण करने वाले बाबा जी को लजाते-लजाते भी एक रुपया देना पड़ता है। भेष और भीख में सनातन मित्रता है।

अथवा

विचित्र जीवन था इनका! घर में मिट्टी के दो-चार बर्तनों के सिवा कोई सम्पत्ति नहीं। फटे-चीथड़ों से अपनी नग्नता को ढाँके जिए जाते थे। संसार की चिन्ताओं से मुक्त। कर्ज से लदे हुए। गालियाँ भी खाते, मार भी खाते, मगर कोई भी गम नहीं। दीन इतने कि वसूली की बिल्कुल आशा न रहने पर भी लोग इन्हें कुछ न कुछ कर्ज दे देते थे।

(ख) अब घर का फालतू सामान अलमारियों के पीछे और पलंगों के नीचे छिपाया जाने लगा। तभी शामनाथ के सामने सहसा एक अड़चन खड़ी हो गई, माँ का क्या होगा ? इस बात की ओर न उसका और न उसकी कुशल

गृहिणी का ध्यान गया था। मिस्टर शामनाथ, श्रीमती की ओर घूमकर अंग्रेजी में बोले- "माँ का क्या होगा ?"

अथवा

गनी ने कुएँ की सिल पर बैठकर कहा "देख, रक्खे पहलवान, क्या से क्या हो गया है। भरा-पूरा घर छोड़कर गया था और आज यहाँ यह मिट्टी देखने आया हूँ। बस घर की आज यही निशानी रह गयी है। तू सच पूछे तो मेरा यह मिट्टी भी छोड़कर जाने का मन नहीं करता।"

(ग) 'वह उसे वास्तव में रमणी समझता था। अन्य पुरुषों की भाँति वह भी पत्नी को इसी रूप में देखता था। वह उसके यौवन पर मुग्ध था। उसकी आत्मा का स्वरूप

देखने की चेष्टा ही न की। अगर वह रूप-लावण्य की राशि न होती तो कदाचित् वह उससे बोलना भी पसन्द न करता। उसका सारा आकर्षण, उसकी सारी आसक्ति केवल उसके रूप पर थी।

अथवा

"इतना जल! इतनी शीतलता! दृश्य की प्यास न बुझी! पी सकूँगी नहीं। तो जैसे बेला से चोट खाकर सिंधु चिल्ला उठता है, उसी के समान रोदन करूँ? या जलते हुए स्वर्ण-गोलक सदृश अनन्त जल में डूबकर बुझ जाऊँ? चम्पा के देखते-देखते पीड़ा और ज्वलन से आरक्त बिम्ब धीरे-धीरे सिंधु में चौथाई-आधा फिर

सम्पूर्ण विलीन हो गया। एक दीर्घ निःश्वास लेकर चम्पा ने मुँह फेर लिया।"

Q. 2. "चम्पा के चरित्र में प्रसाद जी ने बड़ी कुशलता दिखलाई है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। **15**

अथवा

'गबन' उपन्यास की मूल समस्या क्या है? प्रेमचंद ने इस समस्या का क्या हल बताया है? तर्कपूर्ण विवेचना कीजिए।

Q. 3. 'परदा' कहानी का सारांश लिखकर उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। **15**

अथवा

'आकाशदीप' कहानी का केन्द्रीय पात्र कौन है? उसकी चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

Q. 4. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : **2×5=10**

(1) शिवानी की साहित्यिक यात्रा

(2) कथाकार उपेन्द्रनाथ अश्क।

(3) बालशौरि रेड्डी का साहित्यिक परिचय।

Q. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर अति संक्षेप में लिखिए : **5×1=5**

(1) घीसू-माधव किस कहानी के पात्र हैं ?

(2) 'लकुमा' उपन्यास के लेखक का नाम बताइए।

(3) चम्पा किस कहानी की नायिका है ?

(4) 'लमही' का सम्बन्ध किस लेखक से है ?

(5) 'मलबे का मालिक' कहानी के लेखक का नाम बताइए।

(6) 'जोहरा' किस उपन्यास की पात्र है ?

(7) 'कृष्णकली' उपन्यास के लेखक कौन हैं ?

(8) 'आन्ध्रभारती' पुस्तक के लेखक का नाम बताइए।